E
Batch 2021-22

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

## एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

**परीक्षा : जून – २०२२**

**सत्र – १**

**विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–१) (HDS - 102)**

**दि.: ०८/०६/२०२२** **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.३०**

**सूचनाएँ :** १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

**प्र. १** 'पद्मावत' काव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए ।

**प्र. २** 'पद्मावत' काव्य के प्रेमभाव एवं विरह वर्णन के तत्व को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ३** 'पद्मावत' काव्य में निहित कथा की ऐतिहासिकता और काल्पनिकता के संदर्भ में विचार व्यक्त कीजिए ।

**प्र. ४** 'पद्मावत' काव्य में चित्रित 'पद्मावती' और 'नागमती' के चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ५** कबीर की भक्तिभावना एवं दार्शनिक विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ६** कबीर वाणी में दृष्टव्य कबीर के समाज सुधारक रुप को सोदाहरण विशद कीजिए ।

**प्र. ७** कबीर की रचनाओं की प्रासंगिकता को रेखांकित कीजिए ।

**प्र. ८** संत तुलसीदास की रचना 'विनय–पत्रिका' के प्रयोजन को लिखते हुए, उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

**प्र. ९** **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) दीन सब अंगहीन छीन मलीन अधी अधाई,
नाम लै भरै उदर, एक प्रभुदासी दास कहाई

२) नैन जो देखे कँवल । भए निरमय नीर सरीर ।
हँसत जो देखे हंस भए । दस जोति नग हीर ।

३) तेरा जनु एक आध है कोई ।
काम, क्रोध, लोभ, मोह विबर जित हरिपद चिन्है सोई ।

४) सत गुरु की महिमा अनंत अनंत किया उपगार ।
लोचन अनंत उगारिया अनंत दिखावनहार ।

**प्र.१०** **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) 'पद्मावत' में लोकतत्व

२) नागमती विरह

३) कबीर की भाषा

४) 'विनय पत्रिका' में भक्तिरस